कला, विज्ञान, वाणिज्य एवं बी.एड. संकायों की नैक (B^{++}) प्रत्यायित संस्था

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सिविल लाइन्स, गोरखपुर–273001

सम्बद्ध : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

दिगंत

ई-पत्रिका:सितम्बर-2024

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 'अ' श्रेणी में वर्गीकृत

Website : www.dnpgcollege.edu.in **Helpline Email** : dnpgonline@gmail.com

Office Email : dnpggkp@gmail.com **Contact Number** : 0551-2334549

For Social App links (Click one icon) :

दिगंत-ई-पत्रिका:सितम्बर-2024

संरक्षक मण्डल

परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज

मुख्य संरक्षक

प्रो.उदय प्रताप सिंह

अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

श्री प्रमोद कुमार चौधरी

उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

सम्पादक मण्डल

प्रो. ओम प्रकाश सिंह,प्राचार्य

प्रधान सम्पादक

1. **डॉ. सुभाष चन्द्र,** सहायक आचार्य, बी.एड. विभाग
2. **डॉ. विभा सिंह,** सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग
3. **डॉ. प्रियंका सिंह,** सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग
4. **श्री अश्वनी कुमार श्रीवास्तव,** तकनीकी सहायक

September-2024

कार्यक्रम विवरण-

क्र. सं.	दिनांक एवं दिन	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	पेज नं.
1.	03.09.2024 मंगलवार	शिक्षाशास्त्र विभाग	अभिविन्यास कार्यक्रम	1
2.	03.09.2024 मंगलवार	वाणिज्य विभाग	इंडक्शन प्रोग्राम	1–2
3.	04.09.2024 बुधवार	बी.एड. विभाग	अभिविन्यास कार्यक्रम	2–3
4.	05.09.2024 गुरूवार	महाविद्यालय	शिक्षक सम्मान समारोह	4
5.	07.09.2024 शनिवार	रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग	आई.सी.एस.एस.आर. द्वारा द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन	5–6
6.	08.09.2024 रविवार	रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग	आई.सी.एस.एस.आर. द्वारा द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन	6–7
7.	09.09.2024 सोमवार	शारीरिक शिक्षा विभाग	योग प्रशिक्षण कार्यक्रम (12 सप्ताह) का शुभांरम्भ	8
8.	12.09.2024 वृहस्पतिवार	शारीरिक शिक्षा विभाग	योग प्रशिक्षण कार्यक्रम	8
9.	13.09.2024 शुक्रवार	प्राचीन इतिहास विभाग	प्राचीन इतिहास विभाग द्वारा अभिविन्यास कार्यक्रम	8–9
10.	13.09.2024 शुक्रवार	शारीरिक शिक्षा विभाग	योग प्रशिक्षण कार्यक्रम	9
10.	14.09.2024 शनिवार	हिन्दी विभाग	हिन्दी दिवस पर विशिष्ट व्याख्यान	9–10
11.	14.09.2024 शनिवार	एन.सी.सी.	प्राथमिक चिकित्सा और खेल विषय पर सेमिनार का आयोजन	10–11

12.	14.09.2024 शनिवार	बी.एड. विभाग	शिक्षक प्रशिक्षुओं ने हर्षोल्लास के साथ मनाया हिन्दी दिवस	11
13.	17.09.2024 मंगलवार	कम्प्यूटर विज्ञान एवं बी.सी.ए.विभाग	विश्वकर्मा जंयती पर कार्यक्रम	12
14.	19.09.2024 गुरूवार	प्लेसमेंट सेल	प्लेसमेंट सेल द्वारा कैरियर परामर्श कार्यक्रम	13
15.	19.09.2024 गुरूवार	वनस्पति विज्ञान विभाग	पौधरोपण कार्यक्रम	14
16.	20.09.2024 शुक्रवार	प्राणि विज्ञान विभाग	अतिथि व्याख्यान	14–15
17.	20.09.2024 शुक्रवार	महाविद्यालय	श्रद्धांजलि कार्यक्रम	15
18.	24.09.2024 मंगलवार	एन.सी.सी.	पुनीत सागर अभियान–2024 : विश्व नदी दिवसः 2024	16
19.	24.09.2024 मंगलवार	महाविद्यालय	पर्सनैलिटी डेवलमेंट एण्ड कम्युनिकेशन स्किल विषय पर मासिक कार्यशाला	17
20.	25.09.2024 बुधवार	प्राचीन इतिहास एवं समाजशास्त्र विभाग	स्मृति व्याख्यानमाला का प्रथम व्याख्यान	18–19
21.	28.09.2024 शनिवार	गणित विभाग	शहीद भगत सिंह के जन्म दिवस पर कार्यक्रम	19
22.	28.09.2024 शनिवार	रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग	सर्जिकल स्ट्राइक दिवस पर कार्यक्रम	20
23.	30.09.2024 शनिवार	शिक्षाशास्त्र विभाग	अतिथि व्याख्यान	21

शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा अभिविन्यास कार्यक्रम

दिनांक 03.09.2024 को महाविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा अभिविन्यास कार्यक्रम (सत्र 2024–25) का आयोजन हुआ, जिसके अंतर्गत शिक्षा शास्त्र विषय के परास्नातक के नव प्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत किया गया तथा परास्नातक छात्रा अपूर्वा दूबे जो कि विश्वविद्यालयी परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त की हैं, उनका सम्मान किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने छात्र–छात्राओं का मार्गदर्शन किया तथा शिक्षा शास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ त्रिभुवन मिश्रा ने विषय एवम कैरियर संबंधी जानकारी प्रदान की। शिक्षाशास्त्र विभाग की प्रभारी डॉ. निधि राय ने छात्र–छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए आभार व्यक्त की।

वाणिज्य विभाग द्वारा इंडक्शन प्रोग्राम

दिनांक 03.09.2024 को महाविद्यालय के वाणिज्य संकाय में इंडक्शन प्रोग्राम (परिचयात्मक कार्यक्रम) का आयोजन किया गया। जिसमें बी.कॉम. प्रथम वर्ष एवं एम. कॉम प्रथम वर्ष के नव प्रवेशित छात्र–छात्राओं ने सहभाग किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

वाणिज्य विभाग के वरिष्ठ शिक्षक डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी ने छात्र–छात्राओं को नई शिक्षा नीति के उद्देश्य तथा लक्ष्य पर विस्तार से चर्चा किया तथा महाविद्यालय में उपलब्ध गैर शैक्षणिक गतिविधियों से भी विद्यार्थियों को अवगत कराया।

बी.एड. प्रथम सेमेस्टर हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 04.09.2024 को शिक्षक–शिक्षा विभाग में बी.एड. प्रथम सेमेस्टर सत्र 2024–25 के विद्यार्थियों हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर बी.एड. प्रशिक्षुओं को महाविद्यालय एवं विभाग के द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सुविधाओं के बारे में अवगत कराते हुए उन्हें संपूर्ण पाठ्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। बी.एड. पाठ्यक्रम के लक्ष्यों एवं उद्देश्यों से अवगत कराते हुए, सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रशिक्षुओं को बी.एड.सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम के बाह्य एवं आन्तरिक प्रणाली से अवगत कराते हुए क्रेडिट प्रणाली के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई। उन्हें विभाग में प्रयुक्त की जाने वाली विभिन्न शिक्षण–विधियों जैसे–फ्लिप्ड कक्षा, एल.एम.एस., ब्लेंडेड तकनीक, ऑनलाइन शिक्षण, ई–कन्टेन्ट, स्टूडेंट्स ई–पाठशाला आदि के बारे में जानकारी दी गई। विभाग में अपनाए जाने वाले नवाचार एवं बेस्ट प्रैक्टिसेज से अवगत कराते हुए उन्हें अपने व्यवहार में अपनाने हेतु प्रेरित किया गया।

शिक्षक सम्मान समारोह

दिनांक 05.09.2024 को महाविद्यालय में **शिक्षक सम्मान समारोह** का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त रसायन विज्ञान की **पूर्व प्रभारी प्रो. शशि प्रभा सिंह** को अंगवस्त्र तथा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया एवं साथ ही नवनियुक्त शिक्षकों का स्वागत किया गया। उक्त अवसर पर प्रो. शशि प्रभा सिंह ने कहा कि यह महाविद्यालय मेरा परिवार है, जहां मैंने अपने जीवन के अधिकतम समय व्यतीत किया है। मैंने अपने जीवन में असंभव बताये जाने वाले कार्यो को टास्क समझकर पूरा किया है और जीवन में कभी भी मान अपमान की चिन्ता न करते हुए अपने दायित्वों की पूर्णता हेतु मन से प्रयास किया है।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि महान दार्शनिक, भारत रत्न, एवं एक पूर्ण शिक्षक डॉ. राधाकृष्णन की जयंती पर हमें अपने बेहतर कार्यो द्वारा एक बड़ी लकीर खींचकर अपने दायित्व को प्रमाणित करने हेतु संकल्प लेना चाहिए।

आई.सी.एस.एस.आर. द्वारा द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन

दिनांक 07.09.2024 को महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग एवं आई. सी.एस.एस.आर. के संयुक्त तत्त्वावधान में 'राष्ट्रीय सुरक्षा पर सोशल मीडिया का प्रभाव' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उद्घाटन के अवसर पर **मुख्य वक्ता प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा, पूर्व विभागाध्यक्ष, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर थे। इस अवसर पर उन्होनें अथर्ववेद का उद्धरण देते हुए कहा कि युद्ध का जन्म मनुष्य के मस्तिष्क में होता है** मानस में भी गोस्वामी तुलसीदास जी ने लिखा है कि जिसको कष्ट मिलना है उसके दिमाग का हरण पहले ही कर लिया जाता है। सोशल मीडिया इसी प्रकार से दिमाग के हरण से जुड़ा है जिससे हम सभी जुड़े हुए हैं। देश के 80 करोड़ से अधिक लोगों के हाथ में सोशल मीडिया का मोबाइल रूपी एटम बम है जिसके प्रति हमें सचेत रहना होगा। राष्ट्रीय सुरक्षा केवल रक्षा अध्ययन का ही विषय नही है यह भारत के समस्त नागरिकों का विषय है। पूरी दुनिया में जो कुछ भी घटित हो रहा है उसे सोशल मीडिया के तकनीकि ने अपने प्रभाव में ले लिया है।

मुख्य अतिथि प्रो. हरी शरण, प्रति कुलपति, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में सूचनाओं की गोपनीयता एक बड़ी समस्या है। महत्वपूर्ण एवं गुप्त सूचनाएं तेजी से वायरल हो रही है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण चुनौती बनती जा रही है। आज मैन, मनी, मशीन और इन्फार्मेशन का प्रसार तेजी से हो रहा है जिसमें मुख्य भूमिका सोशल मीडिया की ही है। **विशिष्ट अतिथि प्रो. आर.एन. सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष, रक्षा एवं**

स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर थे उन्होंने ने कहा कि अध्यापक शिक्षा देकर हमें सुधारता है औ गुरु शिक्षा देकर हमें सवांरता है। किसी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए स्पर्धा नही, श्रद्धा रखनी चाहिए। कहीं भी विजय प्राप्त करने के लिए तप, शक्ति व संत की जरूरत होती है। जब पुरूषार्थ व अनुभव का समन्वय होगा तभी हमारी सुरक्षा संभव होगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के **प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह** ने कहा कि आज सोशल मीडिया की प्रभाव शीलता एवं गतिशीलता बहुत अधिक है। विभिन्न प्रकार की गलत सूचनाओं के प्रसार में सोशल मीडिया की विशेष भूमिका है। वर्तमान समय में जीवन के सभी क्षेत्रों में मीडिया के प्रभाव को नकारा नही जा सकता। **राष्ट्रीय संगोष्ठी के प्रारम्भ में शोधपत्रों के संकलन के रूप में प्रकाशित पुस्तक का विमोचन मंचस्थ अतिथियों** द्वारा किया गया। उक्त **अवसर पर अतिथि परिचय व प्रस्ताविकी राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक, डॉ. राम प्रसाद यादव ने एवं संचालन डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह** ने किया।

आई.सी.एस.एस.आर. द्वारा द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

दिनांक 08.09.2024 को महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग एवं आई.सी.एस.एस. आर. के संयुक्त तत्वावधान में 'राष्ट्रीय सुरक्षा पर सोशल मीडिया का प्रभाव' विषय पर **राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन** सत्र में **मुख्य–वक्ता** के रूप में **श्री संजय सिंह लेखक एवं वरिष्ठ रक्षा पत्रकार नई दिल्ली** थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सोशल नेटवर्किंग साइट्स एक त्रासदी के रूप में फैल रहा है, जिसके नकारात्मक प्रभाव से आम नागरिक से लेकर सीमा सुरक्षा पर

तैनात सैनिक तक प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध के समय यह खबर चली की सैनिकों में आत्महत्या की दर बढ़ रही थी, जिसका कारण मोबाइल फोन था क्योंकि मोबाइल के माध्यम से लगातार घरेलू समस्याओं और अन्य समस्याओं की सूचनाएं प्राप्त हो रही थी। फेसबुक द्वारा हनी ट्रैप में फंसाने की घटनाएं देखने को मिली हैं। अब आमने–सामने के युद्ध के जगह पर छद्म युद्ध होने लगे है।

मुख्य अतिथि के रूप में **प्रो. विनोद कुमार सिंह विभागाध्यक्ष, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर** थे उन्होने कहा कि संवेदनशील मुद्दों पर सूचनाओं की गोपनीयता बनी रहनी चाहिए अन्यथा इसका फायदा विरोधी शक्तियों द्वारा लिया जा सकता है। राष्ट्रीय सुरक्षा के सम्बंध में सोशल मीडिया का नकारात्मक पक्ष भी सामने आता है, इस पर रोकथाम के क्रम में सरकार द्वारा सोशल मीडिया की फेक व निगेटिव खबरों पर निगरानी तंत्र विकसित करना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह पूर्व प्राचार्य, दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर ने कहा कि सोशल मीडिया ने हमें अभिव्यक्ति की आजादी दी है लेकिन इसके अतिवादिता ने व्यक्ति, समूह, समाज, व राष्ट्र को सुरक्षा के खतरे के रूप में बढ़ा दे रहा है। **राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय** के **प्राचार्य प्रो. (डॉ.) ओम प्रकाश सिंह** ने कहा कि आज के समाज में श्रम व मेधा द्वारा उत्पन्न विचार प्रवाह के स्थान पर सोशल मीडिया द्वारा वैचारिक सामग्री हमें परोसी जा रही है।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के तृतीय एवं चतुर्थ तकनीकी सत्र में क्रमशः 15 एवं 20 शोध पत्रों का वाचन किया गया। द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के सार–संग्रह की प्रस्तुति डॉ. सुभाष चन्द्र ने की। उक्त **अवसर पर अतिथि परिचय व स्वागत राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक, डॉ. राम प्रसाद यादव ने एवं संचालन डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह** ने किया।

योग प्रशिक्षण कार्यक्रम (12 सप्ताह) का शुभांरम्भ

दिनांक 09.09.2024 को महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा एवं क्रीड़ा विभाग द्वारा योग प्रशिक्षण कार्यक्रम (12 सप्ताह) का शुभांरम्भ किया गया। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में मोटापा का नियत्रंण, तनाव का नियत्रंण, रक्तचाप में संतुलन तथा वाइटल क्षमता में सुधार लाना है।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि ब्रह्मा कुमारी पारूल दीदी (प्रजापति ब्रह्मा ईश्वरीय विश्वविद्यालय) थी उन्होंने बताया कि जीवन का मुख्य उद्देश्य तन, मन एवं जन में शांति लाना है। आज हर व्यक्ति को अपनी दिनचर्या के पालन के साथ–साथ अपने विचारों को भी परिष्कृत करना चाहिए। जितना हो सके अपने मन को नकारात्मक विचारों से बचाना चाहिए और अपने अन्दर सकारात्मकता लानी चाहिए। **कार्यक्रम की विशिष्ठ अतिथि ब्रह्मा कुमारी पूनम दीदी (प्रजापति ब्रह्मा ईश्वरीय विश्वविद्यालय) ने** राजयोग मेडिटेशन के क्रियात्मक पक्षों का वर्णन किया और उसका अभ्यास कराया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि जो तुम्हे कमजोर बनाये उसका परित्याग करो। जो पिण्ड में है वही ब्रह्मांड में है। **कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन श्री अवधेश कुमार शुक्ल (प्रभारी क्रीड़ा एवं शारीरिक शिक्षा विभाग) ने किया एवं आभार ज्ञापन क्रीड़ा समिति की सदस्य डॉ. सरिता सिंह के द्वारा किया गया।**

योग प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक 12.09.2024 को योग प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत चौथे दिन वार्मिंग अप के अंतर्गत पवनमुक्तासन पार्ट 1 योग अभ्यास के अंतर्गत सूर्य नमस्कार में नमस्कार आसन, हस्तो उत्थान आसान, पादहस्तासन, अश्व संचालन आसन, प्राणायाम में कपालभाति एवं अनुलोम विलोम का अभ्यास कराया गया। योग कक्षा का प्रारंभ एवं समापन प्रार्थना से हुआ। योग का संचालन एवं अभ्यास शारीरिक शिक्षा के प्रभारी श्री अवधेश कुमार शुक्ल के द्वारा कराया गया।

प्राचीन इतिहास विभाग द्वारा अभिविन्यास कार्यक्रम

दिनांक 13.09.2024 को महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग एम.ए. प्रथम वर्ष एव बी.ए. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि इतिहास किसी समाज और राष्ट्र की स्मृति होती है और जिस प्रकार से स्मृति विहिन मानव का कोई अस्तित्व शेष नहीं रहता है उसी प्रकार जो समाज अपने इतिहास को भूल जाता है उसका पतन हो जाता है। उन्होंने कहा कि प्राचीन इतिहास का दायरा बहुत विस्तृत है और यह राष्ट्र के गौरव का बोध कराता है। अपने सम्बोधन में उन्होंने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद और दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज के इतिहास को भी बताया और उन्होंने कहा कि दिग्विजयनाथ युगद्रष्टा थे और इसी दृष्टि के आलोक में उन्होंने समाजिक और आर्थि क रूप से पिछड़े गोरखपुर क्षेत्र में शिक्षा के अलख को प्रज्जवलित किया।

विभाग के प्रभारी श्री सुरेन्द्र चौहान ने विद्यार्थियों को इतिहास की उपयोगिता का विस्तार और इतिहास की अर्थवत्ता से परिचित कराया। **श्री धीरज कुमार सिंह ने इतिहास शब्द की उत्पत्ति,** इतिहास लेखन परम्परा, इतिहास काल विभाजन के बारे में बताया। **डॉ. शिव कुमार ने सम्बोधित करते हुए कहा कि इतिहास के अध्ययन** के पश्चात विद्यार्थियों को किन–किन क्षेत्रों में नौकरियों की सम्भावनाएँ होती है ये बताते हुए उन्होंने पुरातत्व एवं मुद्राशास्त्र, पुरालेख शास्त्र एवं संग्रहालय विज्ञान के सम्बन्ध में भी जानकारी दी।

योग प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक 13.09.2024 को योग प्रशिक्षण कार्यक्रम के पांचवें दिन योग एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। योग कक्षा का प्रारंभ एवं समापन प्रार्थना एवं ओम के उच्चारण से हुआ। सभी योग प्रशिक्षुओं को सूर्य नमस्कार, कपालभाति एवं अनुलोम विलोम का अभ्यास कराया गया और अंत में शवासन कराकर शांतिपाठ से समापन हुआ।

हिन्दी दिवस पर विशिष्ट व्याख्यान

दिनांक 14.09.2024 को महाविद्यालय के साहित्यार्चन हिन्दी विभाग दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर के संयोजकत्व में हिन्दी दिवस के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. दिवाकर द्विवेदी, सहायक आचार्य, भवानी प्रसाद पाण्डेय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय गोरखपुर ने अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि हिन्दी सिर्फ भाषा या संवाद का साध ही नहीं है बल्कि हर भारतीय के बीच सामजिक और सांस्कृतिक सेतु भी है। किसी भी देश का साहित्य वहां की संस्कृति व परम्परा से जाना जाता है। जब कोई देश दूसरो के द्वारा शासित होता है तो वहा की बहुत सारी परम्पराएं व सभ्यता नष्ट होने लगती है, ऐसी स्थिति में इन्हें समय से संरक्षित रखना हमारा मूल दायित्व है। सन् 1992 में हिन्दी जहाँ दुनिया में पॉचवे स्थान पर थी वहीं अब यह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी सम्पर्क भाषा है। अमेरिक में लगभग 150 विश्वविद्यालयों में हिन्दी पढ़ाई जाती है। बेल्जियम में जन्में डॉ. फादर कामिल बुल्के ने हिन्दी को महारानी, अंग्रेजी को नौकरानी और संस्कृत को माँ का दर्जा दिया था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि हिन्दी हमारी राष्ट्रीय स्वाभिमान, पहचान एवं अस्मिता से जुड़ी है। एक भाषा के रूप में हिन्दी न सिर्फ भारत की पहचान है बल्कि यह हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची संवाहक, सम्प्रेषक और परिचायक भी है।

प्राथमिक चिकित्सा और खेल विषय पर सेमिनार का आयोजन

दिनांक 14.09.2024 को 44 यूपी वाहिनी एन.सी.सी., गोरखपुर के तत्वावधान में दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर की एन.सी.सी. प्लाटून/कम्पनी द्वारा विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस– 2024 के अवसर पर 'लुक, थिंक एंड एक्ट' अर्थात् 'देखो, सोचो और कार्य करो' एवं "प्राथमिक चिकित्सा और खेल" विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया।

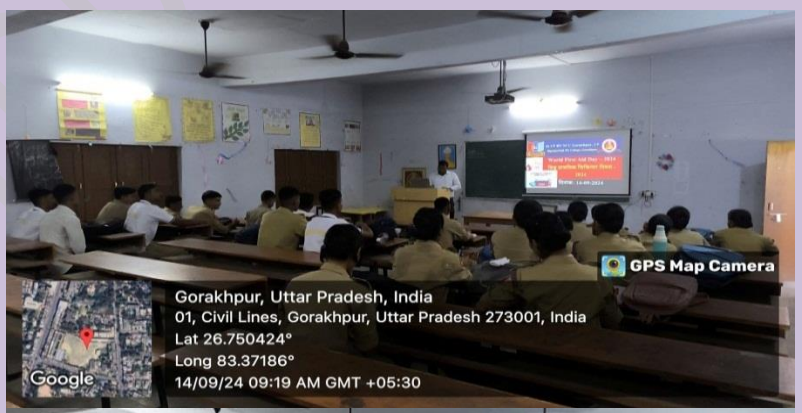

कार्यक्रम के प्रथम चरण में सी.टी. ओ. डॉ. सुभाष चन्द्र ने अपने उद्बोधन

में कहा कि विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस एक वैश्विक कार्यक्रम है, जो प्रत्येक वर्ष सितम्बर महीने के दूसरे शनिवार को मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य जीवन बचाने में प्राथमिक चिकित्सा की भूमिका के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है।

सी.टी.ओ. डॉ. सुभाष चन्द्र ने पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से कैडेट्स को प्राथमिक चिकित्सा के उद्देश्य, प्राथमिक चिकित्सा के चिन्ह, प्राथमिक चिकित्सा के किट के बारे में जानकारी प्रदान की। उन्होंने बेहोशी/मूर्च्छा, नक्सीर, रक्तस्राव, जलने, लू लगने, पाला मारने, डूबने, गला अवरुद्ध होंने, बिजली का झटका लगने, विषाक्तता, सदमा लगने, सांप के काटने, बिच्छू के काटने, पागल कुत्ते को काटने जैसे चिकित्सा आपात स्थिति में दी जाने वाली प्राथमिक उपचार के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में एन.सी.सी. कैडेट्स के प्रश्नों के उत्तर दिए गए और उनकी समस्याओं का समाधान किया गया। कार्यक्रम में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के एन.सी.सी. 26 (15 एस.डी. एवं 11 एस.डब्लू.) कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

शिक्षक प्रशिक्षुओं ने हर्षोल्लास के साथ मनाया हिन्दी दिवस

दिनांक 14.09.2024 को राष्ट्रीय हिन्दी दिवस के अवसर पर महाविद्यालय शिक्षक शिक्षा विभाग के प्रथम वर्ष के प्रशिक्षुओं द्वारा हिन्दी दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में प्रशिक्षु प्रदुम्न दूबे ने हिंदी भाषा के महत्व को इंगित करते हुए कहा कि आज ही के दिन 14 सितंबर 1949 को हिंदी को भारत की राजभाषा का दर्जा मिला था। 1953 से राजभाषा प्रचार समिति द्वारा हर साल इस खास दिन को हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाने लगा।

विश्वकर्मा जंयती पर कार्यक्रम

दिनांक 17.09.2024 को महाविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान विभाग और बीसीए विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर भगवान विश्वकर्मा के तकनीकी और वैज्ञानिक योगदान की जानकारी प्रदान करना था, साथ ही विद्यार्थियों को उनके कार्यों और तकनीकी प्रभावों के बारे में जागरूक करना था।

कार्यशाला का शुभारंभ–कार्यशाला का शुभारंभ कॉलेज के वरिष्ठ शिक्षक और विभागाध्यक्ष श्री हरिशंकर गुप्ता द्वारा किया गया। उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में भगवान विश्वकर्मा की महत्ता और उनके योगदान के बारे में विस्तार से बताया।

तकनीकी चर्चा–इसके बाद बीसीए विभाग की शिक्षक अनुराधा सिंह ने विद्यार्थियों के समक्ष विश्वकर्मा जी के तकनीकी योगदान को आधुनिक युग की तकनीकी प्रगति से जोड़ते हुए अपनी प्रस्तुति दी।

प्लेसमेंट सेल द्वारा कैरियर परामर्श कार्यक्रम

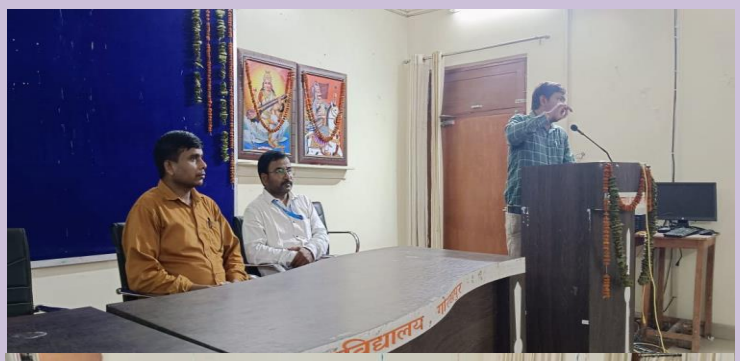

19 सितंबर 2024 को महाविद्यालय के प्लेसमेंट सेल द्वारा कैरियर परामर्श कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

उक्त कार्यक्रम में मुख्य वक्ता गुंजन सक्सेना, सह–प्रबंधक, जयपुरिया इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, लखनऊ थे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आपका कैरियर विकास एक आजीवन प्रक्रिया है, चाहे आप इसे जानते हों या नहीं। वास्तव में यह तब शुरू हुई जब आप पैदा हुए थे। ऐसे कई कारक हैं जो आपके करियर विकास को प्रभावित करते हैं।

मुख्य वक्ता के उद्बोधन के पश्चात क्विज प्रतियोगिता का अयोजन भी किया गया जिसमें महाविद्यालय के वाणिज्य, कला और विज्ञान के 156 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

पौधरोपण कार्यक्रम

दिनांक 19.09.2024 को महाविद्यालय के आई.क्यू.ए.सी. समन्वयक प्रो. परीक्षित सिंह के अनुरोध पर प्रसिद्ध पर्यावरणविद प्रो. डी.के. सिंह पूर्व अध्यक्ष, जन्तु विज्ञान विभाग, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने कालमेघ, अश्वगंधा दालचीनी, सहदेईया, दौना, अपराजिता के पौधे महाविद्यालय के औषधीय उद्यान में लगाया।

यह पौधे प्रो सिंह ने गत 16 सितंबर को विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण हेतु लिए गए संकल्प के क्रम में पौधरोपण को प्रोत्साहित करते हुए महाविद्यालय को भेंट किया।

अतिथि व्याख्यान का आयोजन

दिनांक 20.09.2024 को महाविद्यालय के प्राणी विज्ञान विभाग एवं जूलॉजिकल सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में विश्व अल्जाइमर दिवस की पूर्व संध्या पर स्नातक (बायो ग्रुप) के विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता डॉ. आकाश गौतम, असिस्टेंट प्रोफेसर, सेंटर फार न्यूरल एण्ड कॉग्निटिव साइंस, स्कूल ऑफ मेडिकल साइंस, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद थे। उन्होंने इस बीमारी के विश्व स्तरीय आकड़ों की जानकारी दी और भविष्य में यह आकडें किस तरह से बढ़ेंगे उसकी भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह स्मृति लोप की बीमारी है जो इंसान के दिन–प्रतिदिन के क्रियाकलापों को प्रभावित करता है और परिणामस्वरूप व्यक्ति व परिवार का आर्थिक नुकसान होता है। **कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) ओम प्रकाश सिंह ने किया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. अनिता कुमारी, असिस्टेंट प्रोफेसर व प्रभारी प्राणी विज्ञान विभाग ने विषय प्रवर्तन व अतिथि का स्वागत करते हुए कहा की** अल्जाइमर बीमारी का इलाज संभव नहीं है। अतः इससे बचाव के लिए जन–जागरूकता फैलाना अति आवश्यक है।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 20.09.2024 को महाविद्यालय में **युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की 55वीं व राष्ट्रसंत महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 10वीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन** किया गया। इस अवसर पर **मुख्य अतिथि श्री रणविजय सिंह, पूर्व अधिकारी, एन.ई.रेलवे** थे। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि समाज में शिक्षा, धर्म व संस्कृति के उत्थान में गोरक्षपीठ की प्रमुख भूमिका रही है, दिग्विजयनाथ जी महाराज हिन्दू धर्म एवं संस्कृति के सजग प्रहरी थे। महन्त जी ने गुरु गोरक्षनाथ मन्दिर के माध्यम से आध्यात्मिक गरिमा और हिन्दू संस्कृति की रक्षा की। उन्होंने कहा कि दिग्विजयनाथ जी महाराज ने पूर्वी उत्तर प्रदेश से भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन का भी नेतृत्व संभाला।

कार्यक्रम का **संचालन डॉ. संजय त्रिपाठी ने किया तथा अध्यक्षीय उद्बोधन व आभार ज्ञापन प्रो. नित्यानन्द श्रीवास्तव, प्रभारी हिन्दी विभाग ने** किया।

उक्त अवसर पर डॉ. पवन पाण्डेय, डॉ. अखण्ड प्रताप सिंह, डॉ. राकेश सिंह, डॉ. सुनील सिंह, डॉ. त्रिभुवन मिश्रा, डॉ. अनुपमा मिश्रा सहित महाविद्यालय के शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भारतीय नदियाँ: हमारी सभ्यताओं और संस्तुतियों की जननी
आभा कार्ड है आपका हेल्थ आईडी कार्ड

दिनांक 24.09.2024 को 44 यूपी वाहिनी एन.सी.सी., गोरखपुर के तत्वावधान में महाविद्यालय गोरखपुर की एन.सी.सी. प्लाटून/कम्पनी द्वारा पुनीत सागर अभियान–2024 के अन्तर्गत विश्व नदी दिवसः 2024 का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के प्रथम चरण में सी.टी.ओ. डॉ. सुभाष चन्द्र ने अपने उद्बोधन में कहा कि विश्व नदी दिवस प्रत्येक वर्ष सितंबर के अंतिम रविवार को मनाया जाता है और 2024 में यह दिवस 22 सितंबर को मनाया गया। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य नदियों के महत्व और पृथ्वी पर जीवन को सहारा देने में उनकी भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। विश्व नदी दिवस पहली बार 2005 में मनाया गया था।

कार्यक्रम के द्वितीय चरण में सी.टी.ओ. डॉ. सुभाष चन्द्र ने नेशनल डिजिटल हेल्थ मिशन और आभा कार्ड के बारे में एन.सी.सी. कैडेट्स को जानकारी देते हुए बताया कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने 15 अगस्त 2020 को राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन की शुरुआत की।

पर्सनैलिटी डेवलमेंट एण्ड कम्युनिकेशन स्किल विषय पर मासिक कार्यशाला

दिनांक 24.09.2024 को महाविद्यालय एवं उन्नति फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में 'पर्सनैलिटी डेवलपमेंट एंड कम्युनिकेशन स्किल' विषय पर चल रहें मासिक कार्यशाला के समापन दिवस के अवसर पर वाणिज्य विभाग एवं राजनीतिक विज्ञान के छात्र/ छात्राओं ने अपने अनुभव को साझा किया तथा एक नाटक के माध्यम से यह संदेश दिया कि वृद्धावस्था में अपने माता–पिता का साथ कभी नहीं छोड़ना चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने अपने उद्बोधन में छात्र/छात्राओं को संबोधित करते हुए व्यक्तित्व विकास से संबंधित विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला तथा व्यक्तित्व विकास के आंतरिक एवं बाह्य अभिप्रेरणा के सिद्धांतों से छात्र/छात्राओं को अवगत कराया।

स्मृति व्याख्यानमाला का प्रथम व्याख्यान

दिनांक 25.09.2024 को महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग एवं प्राचीन इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में युगपुरुष महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यानमाला : 2024–25 के अन्तर्गत 'सतत एवं समावेशी विकास में अन्त्योदय की भूमिका' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रो. ईश्वरशरण विश्वकर्मा, पूर्व अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा चयन आयोग थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अन्त्योदय की धारणा समाज के अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के विकास की बात करता है। अन्त्योदय को यदि समझना है तो हमें पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के जीवन को समझना चाहिए। एकात्म मानव का विचार एक ऐसे व्यक्ति की अवधारणा में निहित है जो व्यक्तित्व की सच्ची भावना उकेरता है और अपनी आकांक्षाओं में प्रामाणिक रहता है। वास्तव में हमारी आवश्यकताओं के अनुकूल एक ऐसी आर्थिक प्रणाली का गठन किया जाना चाहिए, जिसका उद्देश्य एक तरफ लोगों की न्यूनतम आवश्यकताओं को सुरक्षित रखना और दूसरी तरफ राष्ट्रीय अखण्डता को भी सुरक्षित रखना संभव हो सके।

मुख्य अतिथि प्रो. डी. आर. साहू, विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ थे। उन्होने कहा कि आज के समय में वैश्विक बाजार समाज पर हावी है। आज के समकालीन भारत को समझने के लिए वर्तमान समस्याओं को भी जानने की जरूरत है। अन्त्योदय की अवधारणा समावेशी विकास और सतत विकास के उद्देश्य से सामाजिक आर्थिक स्थिति में अन्तिम व्यक्ति की पहचान करने के लिए है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि आज भारत के संस्कार व दुनिया के बाजार का द्वंद है। उन्होंने विकास के स्वदेशी प्रतिदर्श को रेखांकित करते हुए कहा कि विदेशी का स्वदेशानुकूल और स्वदेशी का युगानुकूल पालन होना चाहिए।

शहीद भगत सिंह जन्म दिवस पर कार्यक्रम

दिनांक 28.09.2024 को महाविद्यालय में शहीद भगत सिंह का जन्म दिवस पर बी.एस.सी. गणित संवर्ग द्वारा एक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इस व्याख्यान के मुख्य अतिथि एवं अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में प्राचार्य ने शहीदे आजम भगत सिंह के भारत की आजादी में महत्वपूर्ण योगदान की चर्चा करते हुए विद्यार्थी में उत्साह का संचार किया तथा भविष्य में उनके विचारों एवं इसकी उपयोगिता पर चर्चा किया।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में प्राचार्य ने नवागत विद्यार्थियों का स्वागत किया तथा कॉलेज के नियम एवं परम्पराओ से अवगत कराया।

सर्जिकल स्ट्राइक दिवस पर कार्यक्रम

दिनांक 28.09.2024 को महाविद्यालय, के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के द्वारा सर्जिकल स्ट्राइक दिवस के अवसर के पूर्व संध्या पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि प्रो. श्रीनिवास मणि त्रिपाठी, आचार्य, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर थे। उन्होने अपने उद्बोधन में कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक 'परंपरागत आक्रमणात्मक सिद्धांत' पर कार्य करता है। सर्जिकल स्ट्राइक 'दंडात्मक कार्यवाही' पर आधारित है। आधुनिक भारत द्वारा लड़े गए युद्ध में भी इस सिद्धांत का प्रयोग किया गया है। वर्ष 1962 के युद्ध के बाद भारतीय सेना को मजबूत तथा आधुनिक करने पर काफी जोर दिया गया था, जिसका लाभ 1965 के युद्ध में भारत को प्राप्त हुआ। भारत–पाकिस्तान युद्ध 1971 के बाद पाकिस्तान को यह स्पष्ट हो गया कि अब वो प्रत्यक्ष रूप से भारत से युद्ध में नहीं जीत सकता, इसलिए 'छदम युद्ध' और 'ऑपरेशन टोपाक आमरूह' के माध्यम से जनरल जिया–उल–हक ने भारत को कमजोर करने का प्रयास किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि पाकिस्तान अपने उत्पत्ति काल से ही भारत की सुरक्षा को चुनौती देता रहा है, जो एक प्रतिस्पर्धी न होकर शत्रुरुपता कायम किए हुए हैं। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेई जी ने कहा था कि **"हम बुद्ध के धरती से है। युद्ध की पहल नहीं करते हैं"** लेकिन उसके बाद भी कारगिल संघर्ष के माध्यम से भारत की सुरक्षा को पाकिस्तान द्वारा चुनौती दी गई थी।

शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान

दिनांक 30.09.2024 को महाविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसका विषय था 'आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में शैक्षिक अनुसंधान की भूमिका' विकसित भारत की संकल्पना उत्कृष्ट शोध के बिना साकार नहीं हो सकती है। भारत की आत्मनिर्भरता यहां के शोध कार्यों पर ही निर्भर है। शोध एक संगठित प्रक्रिया है जिसमें कुछ निर्दिष्ट पदों का पालन करना अनिवार्य है। वैज्ञानिक विषयों में अधिकांशतः मौलिक एवं प्रयोगात्मक अनुसंधान होते हैं, जबकि मानविकी विषयों में वर्णनात्मक एवं ऐतिहासिक अनुसंधान होते है। शिक्षाशास्त्र विषय में ज्यादातर अनुसंधान मानव व्यवहार पर होता है जो कि मानव व्यवहार के जटिल होने के कारण अत्यंत सावधानी पूर्वक करना होता है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता **प्रो. राजेश सिंह अधिष्ठाता एवं अध्यक्ष शिक्षा शास्त्र विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर** थे।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होने शोध के प्रत्येक चरण पर प्रकाश डाला। ऐतिहासिक अनुसंधान के अंतर्गत प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोत उनकी आंतरिक एवं वाह्य समालोचना के विषय में जानकारी प्रदान की। इसके साथ ही वर्णनात्मक सर्वेक्षण शोध एवं क्रियात्मक शोध के विषय में विस्तार पूर्वक बताया। उन्होने शून्य परिकल्पना एवं इसके परीक्षण की विभिन्न विधियां से विद्यार्थियों को अवगत कराया। **कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने** आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत शोध की महत्ता को उल्लेखित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति शोध कार्यों पर बहुत जोर डाल रही है क्योंकि शोध के द्वारा ही नवीन ज्ञान का सृजन होता है जिसका राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान है।